राष्ट्रीय कपड़ा निगम द्वारा रुई की खरीद

1766. **श्री हुकम चन्द कछवाय :** क्या वाणिज्य मंत्री राष्ट्रीय कपडा निगम द्वारा रुई की खरीद के बारे में 14 मई, 1976 के अतारांकित प्रश्न संख्या 3926 के उत्तर के संबंध मे यह बताने की कृपा करेंगे कि क्या प्रश्न में मांगी गई समस्त जानकारी इस बीच एकत्र कर ली गई है ?

वाणिज्य मंत्रालय में उपमंत्री (श्री विश्वनाथ प्रताप सिंह) : राष्ट्रीय वस्त्र निगम की 97 मिलो मे से 94 मिलों द्वारा जो कार्य कर रहीं थीं, 1973—75 वर्षों के दौरान मध्य प्रदेश में विभिन्न फर्मों से रुई की खरीद के बारे में जानकारी पहले से ही एकत्र कर ली गई है। फर्मवार जानकारी का संग्रह एवं मिलान अन्तर्ग्रस्त कार्य की मात्रा के अनुरूप नही है—एकत्रित की गई जानकारी पहले ही 200 से भी अधिक पन्नों मे है। जानकारी का सारांश निम्नोक्त प्रकार है :

1. वर्ष 1973—75 के दौरान मध्य प्रदेश की फर्मों से रुई की खरीद 2,42,851 गांठें तथा विभिन्न वजन वाले 13,331 बोरे थी।

2. 2,42,851 गाठों के बारे मे भुगतान निम्नोक्त प्रकार किया गया था :

> 3 महीनों के भीतर 75 प्रतिशत, 3 से 6 महीनों के भीतर 14 प्रतिशत, 6 से 9 महीनों के भीतर 4 प्रतिशत, 9 से 12 महीनों के भीतर 4 प्रतिशत और 12 महीनों के बाद 3 प्रतिशत—लेकिन कोई भुगतान शेष नही है ;

3. 13,331 बोरों के बारे में भुगतान निम्नोक्त प्रकार किए गए हैं :

> 3 महीनों के भीतर 83 प्रतिशत, 3 से 6 महीनों के भीतर 10 प्रतिशत, 6 से 9 महीनों के भीतर 3 प्रतिशत, 9 महीनों के बाद 4 प्रतिशत—लेकिन कोई भुगतान शेष नहीं है।

2. शेष तीन मिलों के संबंध में भी भुगतान किसी एक अथवा दूसरी सीमा अवधि के अन्तर्गत कवर हो गया होता।

विदेश व्यापार को बढ़ावा देने के लिए विदेशी बाजारों का सर्वेक्षण

1767. **श्री शंकर दयाल सिंह :** क्या वाणिज्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने विदेश व्यापार को बढावा देने के लिए विदेशी बाजारों का गत वर्ष कोई सर्वेक्षण कराया था ; और

(ख) यदि हां, तो उसका विवरण क्या है और इस काम के लिए भारतीय दल किन-किन देशों में भेजे गए ?

वाणिज्य मंत्रालय में उपमंत्री (श्री विश्वनाथ प्रताप सिंह) : (क) और (ख) विदेशों में बाजार सर्वेक्षण साधारणतः सीधे सरकार द्वारा नहीं किए जाते। तथापि भारतीय विदेश व्यापार संस्थान तथा व्यापार विकास प्रतिकरण